छोटे किसानों द्वारा भूमि की खेती

565. **श्री डा० भाई महावीर :**
सरदार कुमार सं० चे० आंग्रे :
श्री ना० कृ० शेजवलकर :
श्री जगदीश प्रसाद माथुर :
श्री प्रेम मनोहर :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश में उन छोटे किसानों को, जिनके पास सिंचाई के साधन बहुत सीमित हैं, सहायता देने के लिए गत तीन वर्षों में केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के अधीन सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गए और उनके क्या परिणाम निकले ?

† **[Cultivation of Land by Small Farmers**

565. DR. BHAI MAHAVIR:
SHRI S. C. ANGRE:
SHRI N. K. SHEJWALKAR:
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:
SHRI PREM MANOHAR:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state the steps taken up Government under Centrally-sponsored scheme during the last three years to assist small farmers in the country whose means of irrigation are meagre and limited, and with what results ?]

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० पी० मौर्य) : चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान छोटे किसानों/सीमांत किसानों और कृषि श्रमकों के विकास के लिए 87 परियोजना क्षेत्रों में केन्द्रीय क्षेत्र की दो योजनायें अर्थात् लघु कृषक विकास एजेंसी और सीमांत कृषक तथा कृषि श्रमिक योजना, शुरू की गई हैं। इन एजेंसियों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में सिंचाई सुविधाओं की व्यवस्था करना एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। लघु कृषक विकास एजेंसी के अन्तर्गत अभिज्ञात लघु/सीमांत किसानों को 25 प्रतिशत राज सहायता दी जाती है और सीमान्त कृषक तथा कृषि श्रमिक योजना के अन्तर्गत सीमांत किसानों को नलकूप, खुदे कुये, पम्पसेट, रहट आदि जैसे लघु सिंचाई के निर्माण कार्यों की पूंजीगत लागत पर 33⅓ प्रतिशत राज सहायता दी जाती है। सामुदायिक सिंचाई के निर्माण कार्यों के लिए इन दोनों योजनाओं के अन्तर्गत 50 प्रतिशत राज सहायता की अनुमति दी जाती है। यद्यपि इनमें से अधिकांश परियोजनायें 1970-71 में स्वीकृत की गई थीं; किन्तु उन्हें वास्तव में कारगर ढंग से 1971-72 में *क्रियान्वित किया जा रहा है। दिसम्बर,* 1973 तक छोटे और सीमांत किसानों को निम्नलिखित लघु सिंचाई के निर्माणकार्यों के लिए सहायता दी गई है:—

मद	ल०कृ०वि०ए०	सी०कृ० तथा कृ०
1 नलकूपों/खुदे कुओं की संख्या .	85012*	12547†
2 पम्प सेटों की सं०	24570**	55640‡
3. अन्य लघु सिंचाई निर्माण कार्यों की संख्या . .	35747	763
4. कुल लघु सिंचाई निर्माण कार्य .	145329	18874

*इसमें 1212 सामुदायिक निर्माण-कार्य शामिल हैं।

†इसमें 146 सामुदायिक निर्माण-कार्य शामिल हैं

‡इसमें 24 सामुदायिक निर्माण कार्य शामिल हैं।

**इसमें 38 सामुदायिक निर्माण-कार्य शामिल हैं।

लघु सिंचाई निर्माण कार्यों से सामान्य रूप से छोटे/सीमांत किसानों को बेहतर और सघन कृषि शुरू करने में सहायता मिली है। इस समय योजना आयोग का कार्यक्रम मूल्यांकन

†[ ] English translation.

संगठन इन कार्यक्रमों का मूल्यांकन कर रहा है। लघु सिचाई के फलस्वरूप छोटे किसानो को हुए लाभ की वस्तु-स्थिति का पता मूल्यांकन रिपोर्ट उपलब्ध होने पर ही चल सकेगा।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI B. P. MAURYA): Two Central Sector Schemes viz. SFDA (Small Farmers Development Agency) and MFAL (Marginal Farmers and Agricultural Labourers) have been initiated during the Fourth Five Year Plan in 87 project areas for tre development of small farmers/marginal farmers and agricultural labourers. Provision of irrigation facilities is one of the important programmes sponsored by these agencies. Under the SFDA, identified small/marginal farmers are allowed 25 per cent subsidy and under MFAL marginal farmers are given 33-1/3 per cent subsidy on the capital cost of minor irrigation works such as tubewells, dugwells, pumpsets, rahats and so on. For community irrigation works under both these schemes, 50 per cent subsidy is allowed. Though most of these projects were sanctioned during 1970-71, they are being effectively implemented in the field from 1971-72. Upto December, 1973 small and marginal farmers have been assisted for the following minor irrigation works;

Item	SFDA	MFAL
1. No. of tubewells dugwells . .	85012*	12547†
2. No. of Pumpsets .	24570**	55640†
3. No. of other minor irrigation work	35747	763
4. Total minor irrigation works . .	1,45,329	18,874

*Includes 1212 community works.
†Includes 146 community works.
‡Includes 24 community works.
**Includes 38 community works.

The minor irrigation works have generally helped the small/marginal farmers to take to better and intensive agriculture. Presently these programmes are being evaluated by the Programme Evaluation Organisation of the Planning Commission. The exact nature of benefits that have accrued to small farmers as a result of minor irrigation will be known when the evaluation report becomes available.]

Expenditure on I.C.A.R. Enquiry

566. SHRI PREM MANOHAR:
DR. BHAI MAHAVIR:
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:
SHRI N. K. SHEJWALKAR:
SHRI S. C. ANGRE:

Will the Minister of AGRICULTURE pleased to state:

(a) the total expenditure incurred on the Indian Council of Agricultural Research Enquiry on organisational set-up of the Council?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE): An expenditure of Rs. 1,86,153 approximately (Rupees One lakh eighty six thousand one hundred and fiftythree) was incurred on Indian Council of Agricultural Research enquiry. In addition staff car facilities were provided to the Committee as and when required.

Teaching Hindi in non-Hindi States

567. SHRIMATI SITA DEVI: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state the progress so far made in teaching Hindi in ron-Hindi Speaking States?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF CULTURE (SHRI D. P. YADAV): A statement is attached.

†[ ] English Translation.